सोमवार

09 मार्च 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 44
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

गैरसैंण विधानसभा बजट सत्र शुरू

सीमा से लगे क्षेत्रों में बसावटों पर सरकार का जोर: राज्यपाल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। गैरसैंण के भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा भवन में आज से विधानसभा का बजट सत्र शुरू हो गया है। सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से हुई। इसमें सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं का खाका सदन के सामने रखा गया है। बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में राज्य सरकार की पिछले एक वर्ष की उपलब्धियों के साथ-साथ आगामी योजनाओं और नीतिगत प्राथमिकताओं का उल्लेख किया है।

राज्यपाल ने सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं का खाका सदन के सामने रखा

इसके अपने भाषण में राज्यपाल ने कहा कि एक साल में 25 टन ट्राउट मछली की आपूर्ति की गई। सहकारिता विभाग स्वयं सहायता समूहों को ब्याजरहित)ण उपलब्ध करा रहा है। राज्य में कार्यशील पैक्स को उर्वरक खुदरा विक्रेता के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसके तहत 400 प्रधानमंत्री किसान केंद्र खोले जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि वन विभाग की ओर से मानव-वन्यजीव मृत्यु पर राहत राशि छह लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये की गईई। वनाग्नि नियंत्रण व आपदा प्रबंधन के लिए वर्ष 2025 में एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर सिस्टम शुरू किया गया। उत्तरकाशी वन प्रभाग में एशिया का पहला स्नो लेपर्ड कंजर्वेशन सेंटर स्थापित किया जा रहा है। पीएम आवास योजना ग्रामीण के पहले चरण में 68,531 परिवारों को शत-प्रतिशत आवास स्वीकृत किए गए। 1321 भूमिहीन परिवारों को भूमि पट्टे आवंटित किए गए। 22,500 किमी से अधिक लक्ष्य के सापेक्ष 21,300 किमी से अधिक सड़क पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत बनाईई गईई। 1860 बसावटें मुख्य मार्ग से जोड़ी गईई हैं। वाइब्रेंट विलेज के तहत चारधाम मार्गों पर निर्माण कार्य चल रहे हैं।

कहा कि अल्पसंख्यक छात्रों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के लिए मदरसा बोर्ड की जगह अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण बनाया गया है। समाज कल्याण विभाग विभिन्न वर्गों के आर्थिक, सामाजिक विकास के लिए राजकीय वृद्ध आश्रम, भिक्षुक गृह संचालित कर रहा है। जनवरी 25 से 2026 तक 9,62,000 से अधिक पेंशनरों को एक हजार करोड़ से अधिक की धनराशि दी गई है।

बता दें कि बजट में आधारभूत ढांचे के विकास, रोजगार, पर्यटन, कृकृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों पर विशेष फोकस किया जा सकता है। इसके साथ ही पर्वतीय क्षेत्रों के विकास और युवाओं के लिए नई योजनाओं की घोषणा भी संभावित हैं। गैरसैंण में आयोजित होने वाला यह बजट सत्र राजनीतिक रूप से भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि सरकार अपने कार्यकाल के चार साल पूरे होने की ओर बढ़ रही है। ऐसे में सरकार अपनी उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं के जरिए जनता के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड भी पेश करेगी। वहीं बजट सत्र के दौरान विपक्ष द्वारा भी सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की संभावना जताई जा रही है। प्रदेश से जुड़े जनहित के मुद्दों, विकास कार्यों, बेरोजगारी और महंगाई जैसे विषयों पर सदन में चर्चा होने की उम्मीद है।

संतुलित वित्तीय प्रबंधन को दर्शाता उत्तराखंड का बजट 2026-27

हमारे संवाददाता

गैरसैंण। उत्तराखंड में वित्तीय अनुशासन और विकास के संतुलन को मजबूत करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत किया। लगभग 1,11,703.21 करोड़ रूपये के इस बजट में जहां विकास की गति को बढ़ाने पर जोर है, वहीं मजबूत राजकोषीय प्रबंधन की झलक भी स्पष्ट दिखाई देती है। वर्ष 2025-26 के सापेक्ष 10.41 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

राज्य सरकार ने बजट में वित्तीय जिम्मेदारी और पारदर्शिता बनाए रखते हुए एफआरबीएम अधिनियम के प्रावधानों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया है। बजट के अनुसार राज्य में राजस्व आधिक्य की स्थिति बनी हुई है, जो दर्शाता है कि सरकार की आय उसके राजस्व व्यय से अधिक है। यह स्थिति किसी भी राज्य की मजबूत वित्तीय सेहत का

संकेत मानी जाती है। बजट में 2536.33 करोड़ का राजस्व सरप्लस दिखाया गया है।

राजकोषीय अनुशासन के तहत राज्य का राजकोषीय घाटा जीएसडीपी के 3 प्रतिशत की सीमा के भीतर रखा गया है। इसी प्रकार लोक ऋण भी जीएसडीपी के 32.50 प्रतिशत की निर्धारित सीमा के अंदर बनाए रखा गया है। यह दर्शाता है कि सरकार विकास कार्यों पर खर्च करते हुए भी ऋण प्रबंधन और वित्तीय संतुलन पर पूरा ध्यान दे रही है। राजस्व आधिक्य, सीमित राजकोषीय घाटा और नियंत्रित सार्वजनिक ऋण जैसे संकेतक बताते हैं कि राज्य सरकार ने वित्तीय प्रबंधन में सावधानी और दूरदर्शिता अपनाई है। इससे भविष्य में विकास परियोजनाओं को स्थिर वित्तीय आधार मिलने की संभावना और मजबूत होगी।

कुल मिलाकर यह बजट विकास और वित्तीय अनुशासन के संतुलन का उदाहरण प्रस्तुत करता है, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दून वैली मेल

संपादकीय

शाह का संदेश

अपनी जनसभा और टोली बैठक के जरिए गृहमंत्री सूबे के भाजपा नेताओं को यह स्पष्ट कर गए हैं कि तीसरी बार सत्ता में बने रहना है तो क्या करना है? भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के लिए यह बात कोई मायने नहीं रखती है कि मंत्रिमंडल के 4 साल से खाली पड़े पद भरे जाएंगे या मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह अपने पद पर कब तक बने रहेंगे? तथा उत्तरदायित्वों का बटवारा कब होगा। हरिद्वार की जनसभा में दिया गया उनका भाषण पूरी तरह चुनावी भाषण था। जिस तरह भाजपा ने अपने चुनावी भाषण में चिर परिचित अंदाज में जनता से कहा था कि अरे भाई आपकी आवाज को क्या हो गया? यह उत्तराखंड के लोगों की आवाज तो नहीं है जरा जोर से मुट्ठी भीच करने के साथ यह नारा लगाइए। तीसरी बार फिर भाजपा सरकार। जय श्री राम यह अलग बात है कि भीड़ ने फिर भी वैसा नहीं दिखाया जैसा कि वह देखना चाहते थे। उन्होंने अपने संबोधन में सिर्फ सीएम धामी के 4 साल के काम की बात नहीं रखी बल्कि भाजपा के 9 साल के शासन और पूर्व सीएम त्रिवेंद्र को भी कम तवज्जो न देकर भाजपा नेताओं को साफ संकेत दिए कि पार्टी में बीते कुछ समय से जो गुटबाजी हो रही है उसे बंद किया जाना चाहिए। यह अलग बात है कि भाजपा नेता अभी भी इसके कई मायने निकाल रहे हैं तथा सूबे में चुनाव पूर्व बड़ा फेर बदल के रूप में देख रहे हैं। अमित शाह इस बात को अच्छे से जानते हैं कि इन 9 सालों में बहुत कुछ ऐसा हुआ है जो भाजपा के लिए ठीक नहीं रहा है वह फिर भी अपनी सरकार पर एक भी भ्रष्टाचार का आरोप न होने और प्रदेश के युवाओं को पारदर्शी तरीके से नौकरियां दिए जाने के दावे जरूर कर रहे थे लेकिन भर्तियों में धांधली और पेपर लीक के मुद्दों पर हुई किरकिरी तथा सीबीआई जांच तक पहुंची इस कहानी का सच क्या है तथा भ्रष्टाचार और खनन माफियाओं का राज किस कदर हावी है यह उनसे भी छिपा हुआ नहीं है। रही सही कमी को अंकिता भंडारी हत्याकांड ने पूरी कर दी है जिसमें अब हरिद्वार की धरती से ऐसे-ऐसे सनसनीखेज खुलासे हुए हैं जिसमें केंद्रीय नेता तक के नाम जुड़ते जा रहे हैं तथा इसे लोग उत्तराखंड की एक स्टीन फाइल तक के नाम से प्रचारित कर रहे हैं। प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम से लेकर तमाम संगठन से जुड़े बड़े नेताओं के दामन तक इसकी आंच पहुंच चुकी है। तमाम समस्याओं से जूझ रही भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को इस बात का एहसास बखूबी हो चुका है कि तीसरी बार फिर भाजपा सरकार का सपना साकार करना बहुत मुश्किल है। यही कारण है कि अमित शाह ने हरिद्वार की धरती से भाजपा नेताओं को संदेश दिया है कि इन तमाम मुद्दों में न उलझे। अब सिर्फ चुनावी रणनीति पर विचार करें तो चुनावी चर्चाओं में जुटे। भले ही अभी चुनाव में एक साल का समय शेष सही लेकिन शाह राज्य में चुनावी प्रचार का शंखनाद कर गए हैं। उन्होंने सूबे के शीर्ष नेताओं जिन्हें भाजपा की टोली बैठक का नाम दिया गया है उन्हें भी अपनी मंशा को समझा दिया गया है। देखना यह है कि अब वह शाह की बातों या दिशा निर्देशों पर कितना गौर करते हैं?

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर संसदीय कार्यमंत्री सुबोध उनियाल एवं विधायकगण भी मौजूद थे।

टिहरी झील महोत्सव 2026: काइट फेस्टिवल का आयोजन

संवाददाता

टिहरी। टिहरी झील महोत्सव 2026 के सफल आयोजनों के अंतिम दिन मुनिकीरेती स्थित पूर्णानंद घाट के समीप खारास्रोत आस्था पथ पर काइट फेस्टिवल का आयोजन किया गया।

आज यहां टिहरी झील महोत्सव 2026 के सफल आयोजनों के अंतिम दिन मुनिकीरेती स्थित पूर्णानंद घाट के समीप खारास्रोत आस्था पथ पर काइट फेस्टिवल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल नितिका खण्डेलवाल द्वारा स्कूली बच्चों, विदेशी पर्यटकों व स्थानीय लोगो को पतंग वितरण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गंगा हमारी लाइफ लाइन है इसके बिना हम साबका जीवन अधूरा है इसलिए हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि हमे

गंगा को साफ व स्वच्छ रखना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के टिहरी भ्रमण के दौरान दिये गये निर्देशों के पालन करते हुए टिहरी झील महोत्सव में जनपद के सभी हिस्सों को जोड़ा गया है साथ ही पुरानी टिहरी शहर की यादो को समाहित करते हुए देव डोलियों का संगम कराने का प्रयास किया है। वहीं जनपद के महत्वपूर्ण ट्रैक रूटों का उपयोग के साथ ही उत्तराखण्ड की संस्कृति को संरक्षित करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि संस्कृति ही हमारी धरोहर है इसलिए हमें अपने बच्चों को अपनी संस्कृति से रुबारू कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से चार दिवसीय टिहरी झील महोत्सव सम्पन्न होने जा रहा है। इस अवसर पर अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मुनिकीरेती नीलम बिजल्वाण ने टिहरी झील महोत्सव में

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

लघु व्यापारियों को हटाए जाने के विरोध में उप नगर आयुक्त का घेराव

संवाददाता

हरिद्वार। रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को हटाए जाने के विरोध में लघु व्यापारियों ने उप नगर आयुक्त का विरोध किया।

आज यहां पूर्व में प्रशासन द्वारा अतिक्रमण अभियान के दौरान बस स्टैंड रेलवे स्टेशन के बाहर वर्षो से रेड़ी पटरी लगाकर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे नगर निगम प्रशासन द्वारा लाइसेंस प्राप्त रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को उनके स्थान से हटाए जाने के विरोध में लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में भारी तादात में लघु व्यापारियों ने नगर निगम आयुक्त की अनुपस्थिति में उप नगर आयुक्त दीपक गोस्वामी का घेराव कर उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली 2016 के नियम अनुसार योजनाबद्ध तरीके से बस स्टैंड रेलवे स्टेशन के बाहर समस्त रेलवे रोड के सभी रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को नगर निगम प्रशासन द्वारा परिचय पत्र जारी कर स्वरोजगार करने की अनुमति की मांग की।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली 2016 के नियम अनुसार सभी सार्वजनिक स्थलों जैसे बस स्टैंड रेलवे स्टेशन के बाहर रेलवे रोड, हर की पौड़ी, काली मंदिर मार्ग इत्यादि क्षेत्रों के लघु व्यापारियों को नगर निगम प्रशासन द्वारा उचित प्रबंधन के साथ स्वरोजगार करने की अनुमति दिया जाना न्याय संगत होगा संजय चोपड़ा ने नगर निगम प्रशासन को चेतावनी दी यदि शीघ्र ही बस स्टैंड रेलवे स्टेशन के बाहर रेलवे रोड के सभी रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स को स्वरोजगार करने की अनुमति नहीं दी जाती है तो नगर निगम का अनिश्चितकालीन घेराओ कर चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किए जाएंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी।

उप नगर आयुक्त का घेराव कर अपनी मांगों को दोहराते लघु व्यापारियों में लालचंद गुप्ता, विजय गुप्ता, भोला यादव, नरसिंह, कपिल, धर्मपाल, सचिन, विकास, कपिल कुमार, विक्की, मोहनलाल, जयसिंह, नरेश, पवन, सचिन, हरि सिंह, मुरारी लाल आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

फरार चल रहे 11 वारंटी दबोचे

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। फरार चल रहे वारंटियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने 11 वारटिंयों को गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हे न्यायालय में पेश किया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधमसिंहनगर अजय गणपति द्वारा जनपद में लंबित वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु सभी थाना/कोतवाली प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक काशीपुर व क्षेत्राधिकारी बाजपुर के निर्देशन तथा प्रभारी निरीक्षक बाजपुर के नेतृत्व में पुलिस टीमों का गठन कर अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत कोतवाली बाजपुर पुलिस द्वारा अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर कुल 11 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपियों को आवश्यक विधिक कार्यवाही के उपरांत न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार किए गए वारंटी विभिन्न मामलों में वांछित

थे, जिनमें चोरी, दहेज उत्पीड़न, मारपीट, लापरवाही से मृत्यु कारित करना, चेक बाउंस (एनआई एक्ट) तथा आबकारी अधिनियम से संबंधित प्रकरण शामिल हैं। जिनके नाम गोपी उर्फ तारा सिंह पुत्र खुशाल सिंह निवासी संजय कॉलोनी आदर्श कॉलोनी, कोतवाली बाजपुर, मो. आजम पुत्र शाहिद हुसैन निवासी मोहल्ला श्यामनगर, सुल्तानपुर पट्टी, कोतवाली बाजपुर, प्रभात कुमार पुत्र राकेश निवासी वार्ड नं.-3 टांडा बजरा, सुल्तानपुर पट्टी, कोतवाली बाजपुर, अभिजीत सिंह पुत्र बलदेव सिंह निवासी हरिपुरा हरसान, कोतवाली बाजपुर, रमेश कुमार पुत्र मनोहर लाल निवासी कनौरा, कोतवाली बाजपुर, महेश पुत्र गोवर्धन निवासी महेशपुरा, कोतवाली बाजपुर, इरफान अली पुत्र हामिज निवासी श्यामनगर मस्जिद, सुल्तानपुर पट्टी, कोतवाली बाजपुर, बलदेव सिंह उर्फ देवा पुत्र रमेश सिंह निवासी गोबरा जोगीपुरा बन्नाखेड़ा, कोतवाली बाजपुर, काका सिंह पुत्र रेशम सिंह निवासी इत्ववा बन्नाखेड़ा, कोतवाली बाजपुर, सरजीत सिंह पुत्र बलवीर सिंह निवासी केसोवाला मोड़ दामोदर फार्म, कोतवाली बाजपुर व विमला देवी पत्नी सुखविंदर सिंह निवासी केसोवाला, कोतवाली बाजपुर बताये जा रहे है।

जड़भरत घाट से गंगा मंदिर तक पार्क बना शराबियों का अड्डा

उत्तरकाशी(आरएनएस)। गंगा किनारे जड़भरत घाट से गंगा मंदिर तक निर्मित सार्वजनिक पार्क सहित अन्य घाटों पर शराबियों का जमघट लगा रहता है। शराब पीने वालों की तादाद अंधेरा होने के साथ बढ़ने लगती है। यहां गंगा किनारे बैठ कर खुलेआम शराब पीने वालों को पुलिस का खौफ नहीं है। इससे श्रद्धालुओं की भावनाएं तो आहत हो ही रही है। साथ ही देश-विदेश में तीर्थनगरी की छवि भी खराब हो रही है। स्थानीय निवासी अजय प्रकाश बडोला, मान सिंह रावत, बिरेंद्र पुरी, अनिल पुरी, राजेश बिज, तनुजा राणा, अजय बहुगुणा, प्रीतम गुंबर, विष्णु पाल सिंह रावत, मुनेंद्र रावत ने इस संबंध में प्रशासन और पुलिस को पत्र लिखा। उन्होंने कहा कि गंगा किनारे जड़भरत घाट से गंगा मंदिर तक निर्मित सार्वजनिक पार्क है। इसमें स्थानीय बुजुर्ग शांत वातावरण के लिए घूमने आते हैं। साथ ही इस स्थान पर बच्चे खेलने आते हैं लेकिन कुछ दिनों से शाम होते ही शराबियों का अड्डा बन गया। कहा कि कुछ बुजुर्ग लोग वहां सुबह घूमने गए तो वह शराब एक बैंच पर अंग्रेजी शराब की बोतल और गिलास पड़े दिए। यदि समय रहते प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया तो यह सार्वजनिक स्थल समाज के लिए असुरक्षा और अव्यवस्था का प्रतीक बन जाएगा। उन्होंने इस स्थान पर सीसीटीवी कैमरे के साथ ही नियमित पुलिस गश्त लगाने की मांग की।

सरस्वती विद्या मंदिर को भेंट की स्कूल बस

विकासनगर(आरएनएस)। अवादा फाउंडेशन ने सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रेमनगर मांडूवाला को 42 सीटर स्कूल बस भेंट की। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक शैलेंद्र व विशिष्ट अतिथि सहसपुर विधायक सहदेव पुंडीर अवादा फाउंडेशन के इस सेवा भाव की सराहना की।

मांगलिक कार्यों में परोसी गई शराब तो होगा सामाजिक बहिष्कार

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जनपद में बढ़ते शराब के चलन को रोकने के लिए कई गांव के ग्रामीण आगे आ रहे हैं। शराब के विरुद्ध में भटवाड़ी ब्लॉक के किशनुपर गांव के लोगों ने एक बैठक आयोजित की। ग्रामीणों ने शादी समारोह और अन्य मांगलिक कार्यक्रमों में शराब परोसने वालों का सामाजिक बहिष्कार करने का निर्णय लिया। साथ ही मांगलिक कार्यों में शराब परोसी गई तो ग्रामीण समारोह में शामिल नहीं होंगे। किशनपुरा गांव में ग्राम प्रधान रेखा देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य शुभम मराठा, महिला मंगल दल अध्यक्ष प्रतिमा देवी ने ग्रामीणों के साथ शराब प्रतिबंध को लेकर एक बैठक आयोजित की। वहीं, इन समारोह में शराब परोसने पर प्रतिबंध का प्रस्ताव पास किया। कहा कि अगर किसी भी परिवार के यहां विवाह और अन्य मांगलिक कार्यक्रम में शराब के सेवन की शिकायत मिली तो पूरा गांव उस परिवार का बहिष्कार करेगा। साथ ही कोई भी ग्रामवासी शामिल नहीं होगा। ग्राम प्रधान रेखा देवी और क्षेत्र पंचायत सदस्य शुभम मराठा ने बताया कि शादी-बारात जैसे शुभ, मांगलिक और पारिवारिक आयोजनों में शराब के बढ़ते प्रचलन से कई बार झगड़े हो जाते हैं। वहीं, विवाद और अशांति की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इस मौके पर सुलेंद्र मराठा, रोशनी मराठा, लक्ष्मी मराठा, रेशमा रावत, निर्मला देवी, प्रतिमा राणा, हेमलता पंवार, संतोषी देवी आदि मौजूद रही।

मकान पर कब्जे के प्रयास का आरोप, चार पर केस

काशीपुर(आरएनएस)। एक व्यक्ति ने अपने भाई समेत चार लोगों पर उसके मकान पर जबरन कब्जा करने का प्रयास करने और मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चारों के खिलाफ केस दर्ज किया है। कुमाऊं कॉलोनी, गड्ढा कॉलोनी निवासी मंगली सिंह पुत्र स्व. मवासी राम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 24 फरवरी की शाम करीब साढ़े पांच बजे उसका भाई सूरज चौहान निवासी ठाकुरद्वारा जिला मुरादाबाद अपने साथ सूरज सेन, हरविंदर सिंह और डॉ. मुनेश को लेकर उसके घर पहुंचा। उन्होंने उससे मकान खाली करने को कहा और दावा किया कि उन्होंने यह मकान खरीद लिया है। मंगली सिंह के अनुसार उसने बताया कि मकान और जमीन का मामला काशीपुर कोर्ट में विचाराधीन है और बिना अदालत के आदेश के मकान नहीं लिया जा सकता। इस पर उन्होंने उनसे और परिजनों के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हरविंदर सिंह ने कहा कि उसने यह मकान और पीछे की जमीन सूरज सेन से खरीद ली है। विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित के अनुसार मारपीट में उसे चोटें आईं है। शोर-शराबा होने पर आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। पीड़ित का आरोप है कि जाते समय आरोपी मकान खाली न करने पर जान से मारने की धमकी देकर चले गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर सूरज सेन, सूरज चौहान, हरविंदर सिंह और डॉ. मुनेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

लोबांज आयुर्वेदिक चिकित्सालय को लेकर फैली अफवाहों पर विराम, स्थानांतरण का कोई प्रस्ताव नहीं

बागेश्वर(आरएनएस)। हाल के दिनों में कुछ समाचार पत्रों में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय लोबांज को अन्यत्र स्थानांतरित किए जाने संबंधी प्रकाशित समाचारों ने क्षेत्रीय जनता में असमंजस की स्थिति उत्पन्न कर दी थी। इन चर्चाओं और अटकलों के बीच जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. निष्ठा शर्मा कोहली ने स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा है कि राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय लोबांज के स्थानांतरण का कोई भी प्रस्ताव वर्तमान में विचाराधीन नहीं है और चिकित्सालय अपने मौजूदा स्थान पर ही पूर्ववत संचालित हो रहा है। उन्होंने बताया कि चिकित्सालय नियमित रूप से क्षेत्रीय नागरिकों को आयुर्वेदिक चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहा है तथा उपलब्ध सभी सुविधाओं के साथ सुचारु रूप से कार्य कर रहा है। चिकित्सालय में आने वाले रोगियों को परामर्श, औषधि वितरण तथा आयुर्वेदिक उपचार की व्यवस्थाएं निरंतर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे स्थानीय जनता के साथ-साथ यहां आने वाले पर्यटक भी लाभान्वित हो रहे हैं।

डॉ. कोहली ने यह भी अवगत कराया कि आयुर्वेद विभाग द्वारा क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में चिकित्सालय को उच्चीकृत आयुर्वेदिक चिकित्सालय के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव निदेशालय को प्रेषित किया गया है, ताकि यहां आधुनिक सुविधाओं के साथ आयुर्वेदिक चिकित्सा की व्यापक सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इसके अतिरिक्त चिकित्सालय को राजकीय भवन में स्थापित करने के लिए भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया भी गतिमान है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय लोबांज अपने वर्तमान स्थान पर ही संचालित रहेगा और क्षेत्र की जनता को आयुर्वेदिक चिकित्सा सेवाएं पूर्व की भांति निर्बाध रूप से मिलती रहेंगी। विभाग का उद्देश्य न केवल सेवाओं को बनाए रखना है, बल्कि उन्हें और अधिक सशक्त और व्यापक बनाकर जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है।

सत्यापन अभियान में चार के खिलाफ कार्रवाई

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जनपद में बाहरी व्यक्तियों, मजदूरों और किरायेदारों के सत्यापन के लिए पुलिस का अभियान लगातार जारी है। पुलिस मुख्यालय की ओर से चलाए जा रहे %ऑपरेशन क्रैक डाउन% के तहत अल्मोड़ा पुलिस ने विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाकर बाहरी लोगों का सत्यापन किया और नियमों का पालन न करने वालों पर कार्रवाई भी की।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देश पर जनपद के सभी थाना और कोतवाली क्षेत्रों में किरायेदारों, बाहरी मजदूरों तथा फड़-फेरी करने वालों का सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को पुलिस टीमों ने अपने-अपने क्षेत्रों में अभियान चलाया। अभियान के दौरान 45 बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया गया। वहीं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर चार लोगों के खिलाफ उत्तराखंड पुलिस अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। इस अभियान के तहत अब तक अल्मोड़ा जनपद में 3239 बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया जा चुका है, जबकि दस्तावेज उपलब्ध न कराने पर 783 लोगों के खिलाफ पुलिस अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई है।

पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी बाहरी व्यक्ति को मकान में किरायेदार रखने से पहले उसका पुलिस सत्यापन अवश्य कराएं।

होली समारोह में गिरा सवा दो तोले का मंगलसूत्र लौटाया

हल्द्वानी(आरएनएस)। कुंवरपुर गौलापार के देवला तल्ला क्षेत्र में आयोजित होली मिलन समारोह के दौरान ईमानदारी की प्रेरणादायक मिसाल देखने को मिली। सामाजिक कार्यकर्ता हरेंद्र क्वीरा के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में एक महिला का लाखों रुपये कीमत का सोने का मंगलसूत्र गिर गया, जिसे क्वीरा परिवार ने खोजकर सकुशल लौटा दिया।देवलातल्ला निवासी हरेंद्र क्वीरा के घर पर बुधवार दोपहर करीब 12 बजे से शुरू हुए होली मिलन समारोह में क्षेत्र के कई लोग शामिल हुए थे। इसी दौरान गांव के ही फार्मासिस्ट गौतम बिष्ट की पत्नी नेहा बिष्ट का करीब सवा दो तोले का सोने का मंगलसूत्र अचानक कहीं गिरकर खो गया। मंगलसूत्र गायब होने का पता चलते ही नेहा बिष्ट और उनके परिवार के लोग काफी परेशान हो गए और करीब छह घंटे तक लगातार तलाश करते रहे, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी।शाम करीब पांच बजे जब इस घटना की जानकारी हरेंद्र क्वीरा और उनके परिवार को मिली तो उन्होंने तुरंत खोजबीन शुरू कर दी। हरेंद्र क्वीरा, उनकी पत्नी विद्या क्वीरा और बहू भावना क्वीरा ने पूरे घर और लॉन का कोना-कोना छान मारा। काफी प्रयास के बाद लॉन में मंगलसूत्र मिल गया।हरेंद्र क्वीरा ने तुरंत मंगलसूत्र नेहा बिष्ट को सौंप दिया।

रुद्रपुर में जवानों की फिटनेस, अनुशासन और टर्नआउट का निरीक्षण

रुद्रपुर(आरएनएस)। रिजर्व पुलिस लाइन में साप्ताहिक पुलिस परेड का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस जवानों की फिटनेस, अनुशासन और ड्रिल का निरीक्षण किया गया। एसएसपी अजय गणपति ने परेड की सलामी लेकर जवानों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें बेहतर पुलिसिंग के लिए प्रेरित किया। परेड की शुरुआत जवानों की शारीरिक दक्षता को मजबूत करने के उद्देश्य से हल्की दौड़ के साथ की गई। इसके बाद एसएसपी ने परेड का निरीक्षण किया और अधिकारियों व कर्मचारियों के टर्नआउट, वर्दी और साज-सज्जा की बारीकी से जांच की। निरीक्षण के दौरान जहां कमियां पाई गईं, वहां उन्हें सुधारने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।परेड के दौरान पुलिस जवानों को अलग-अलग टोलियों में विभाजित कर टोलीवार ड्रिल का अभ्यास कराया गया। इसके साथ ही शस्त्राभ्यास भी कराया गया, ताकि जवानों को हथियारों के सही रखरखाव और आवश्यकता पड़ने पर उनके त्वरित एवं प्रभावी उपयोग की जानकारी मिल सके। एसएसपी अजय गणपति ने कहा कि पुलिस बल के लिए शारीरिक फिटनेस केवल ड्यूटी का हिस्सा नहीं बल्कि एक जीवनशैली होनी चाहिए। फिट और अनुशासित पुलिस बल ही बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखने में सक्षम होता है।

स्वैच्छिक रक्तदान हेतु आगे आएं लोग: एम्स ऋषिकेश

ऋषिकेश(आरएनएस)। इलाज के लिए रक्त की आवश्यकता आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था की मूलभूत जरूरत है। इसको लेकर एम्स ऋषिकेश ने लोगों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया है।

एम्स में ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. गीता नेगी ने कहा कि शल्य चिकित्सा, ट्रॉमा देखभाल, कैंसर उपचार, थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज और गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताओं व अन्य चिकित्सीय स्थितियों में रोगी के इलाज के दौरान रक्त की आवश्यकता होती है।

कहा कि बिना किसी आर्थिक लाभ के स्वेच्छा से दिया गया रक्त मरीजों के लिए सबसे सुरक्षित स्रोत होता है। स्वैच्छिक रक्तदाता सामान्यत: अपना सही चिकित्सीय इतिहास बताते हैं और रक्तदान के सभी मानदंडों का पालन करते हैं। इन मानदंडों में हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, एचआईवी तथा सिफिलिस जैसे रक्तजनित संक्रमणों की जांच शामिल है। इन जांचों के बाद रोगी को दिया जाने वाला रक्त जोखिम रहित होता है। कहा कि महाविद्यालयों, विभिन्न कार्यालयों, सामुदायिक क्षेत्रों तथा सामाजिक संगठनों द्वारा आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर पर्याप्त रक्त भंडार बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे शिविर रकतदान के प्रति जन-जागरूकता फैलाने में भी सहायक होते हैं। कहा कि रक्त की एक यूनिट कई जीवन बचाने में सहायक हो सकती है और 18 से 65 वर्ष की आयु वाला कोई भी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है।भुगतान लेकर रक्तदान करना दंडनीय अपराधएम्स में ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. गीता नेगी ने बताया कि भुगतान लेकर रक्तदान करना, अर्थात धन या अन्य लाभ के बदले रक्त देना, पूरी तरह अवैध और दंडनीय अपराध है। रक्तदान एक मानवीय सेवा है और इसे कभी भी आय का स्रोत नहीं बनाया जाना चाहिए। आर्थिक प्रलोभन के कारण कई बार रक्तदान करने वाला व्यक्ति अपनी चिकित्सीय समस्याओं या विभिन्न संक्रामक रोगों से ग्रसित होने की वजह से अपने रक्त की जोखिमता को छिपा सकता है।

सफेद चॉकलेट से बन सकती हैं ये पारंपरिक मिठाइयां

सफेद चॉकलेट का नाम सुनते ही लोगों के मन में विदेशी मिठाइयों का ही ख्याल आता है। हालांकि, इस लजीज चॉकलेट से आप कई तरह की पारंपरिक मिठाइयां भी बना सकते हैं। जी हां, सफेद चॉकलेट का इस्तेमाल करके आप पारंपरिक भारतीय मिठाइयों को एक नया ट्विस्ट दे सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी पारंपरिक मिठाइयों की रेसिपी बताते हैं, जिनका स्वाद सफेद चॉकलेट मिलाने से और भी ज्यादा बढ़ सकता है।

सफेद चॉकलेट की बर्फी- बर्फी एक पारंपरिक भारतीय मिठाई है और इसे आप सफेद चॉकलेट के साथ बना सकते हैं। इसके लिए दूध के पाउडर, चीनी और घी को मिलाकर एक मिश्रण तैयार करें। इसके बाद इसमें पिघली हुई सफेद चॉकलेट मिलाएं। इस मिश्रण को थाली में फैलाकर ठंडा होने दें और बाद में इसे टुकड़ों में काटकर परोसें। यह बर्फी बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को पसंद आएगी और त्योहारों या विशेष अवसरों पर इसे बनाना आपके मेहमानों को खुश कर देगा।

सफेद चॉकलेट का हलवा- हलवा भारतीय खान-पान का एक अहम हिस्सा है और जिसे सफेद चॉकलेट के साथ एक नया ट्विस्ट दिया जा सकता है। इसके लिए सूजी, दूध, चीनी और घी को मिलाकर एक गाढ़ा मिश्रण तैयार करें। इसके बाद इसमें पिघली हुई सफेद चॉकलेट मिलाएं। इस मिश्रण को धीमी आंच पर पकाते रहें, जब तक कि हलवा गाढ़ा न हो जाए। ऊपर से कटे हुए मेवे डालकर इसे सजाएं और गर्मा-गर्म परोसें।

सफेद चॉकलेट का रसगुल्ला- रसगुल्ला पश्चिम बंगाल की एक मशहूर मिठाई है, जिसे आप सफेद चॉकलेट से एक अनोखा स्वाद दे सकते हैं। इसके लिए पहले चाशनी तैयार करें, फिर छेने के गोल आकार बनाकर उन्हें इसमें डालें। अब इन रसगुल्लों को ठंडा होने दें। इसके बाद परोसने से पहले हर रसगुल्ला के ऊपर थोड़ी-सी पिघली हुई सफेद चॉकलेट डालें। इससे रसगुल्लों का स्वाद और भी बढ़ जाएगा और ये देखने में भी बेहद आकर्षक लगेंगे।

सफेद चॉकलेट के लड्डू- लड्डू भारतीय त्योहारों का एक अहम हिस्सा होते हैं और इन्हें आप सफेद चॉकलेट के साथ बना सकते हैं। इसके लिए बेसन, पिसी चीनी, घी और इलायची पाउडर आदि सामग्री लेकर उनका मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण में पिघली हुई सफेद चॉकलेट डालें और अच्छी तरह मिलाएं। इसके छोटे-छोटे गोले बनाकर उन्हें मेवों से सजा लें। ये लड्डू खाने के बाद आपके घर वाले आपकी खूब तारीफ करेंगे और बार-बार खाने की जिद करेंगे।

सफेद चॉकलेट की काजूकतली- काजूकतली एक पारंपरिक मिठाई है, जिसे काजू के पाउडर और चीनी से बनाया जाता है। इसे आप सफेद चॉकलेट के साथ नया रूप दे सकते हैं। इसके लिए पहले काजू के पाउडर, पिसी चीनी और दूध आदि सामग्री लेकर उनका मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण में पिघली हुई सफेद चॉकलेट डालें और अच्छी तरह मिलाएं। छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर इस मिठाई को परोसें। इसके ऊपर चांदी का वर्क लगाना न भूलें।

फिल्म उस्ताद भगत सिंह का नया पोस्टर जारी!

पवन कल्याण के शानदार हैट वाले अवतार वाले उस्ताद भगत सिंह के पोस्टर ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है, फैंस और सिनेमा लवर्स इस इलेक्ट्रिफाइंग लुक का जश्न मना रहे हैं। ज़बरदस्त रिस्पॉन्स से पता चलता है कि फिल्म को लेकर लोगों में ज़बरदस्त क्रेज़ है, और रिलीज़ हुए हर कंटेंट को ज़बरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है।

टीज़र सेंसेशन बन गए, सभी प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड हुए और ज़बरदस्त बज़ बनाया। गाने देखेंगे साला' और उस्ताद का औरा' चार्टबस्टर बन गए हैं, जिसमें पवन कल्याण के स्वैग और स्क्रीन प्रेजेंस को खूब पसंद किया गया। हर गाने ने पावर स्टार के औरा को और बढ़ाया है, और फैंस के साथ एक ज़बरदस्त रिश्ता बनाया है।

ब्लॉकबस्टर फिल्ममेकर हरीश शंकर के डायरेक्शन में बनी, उस्ताद भगत सिंह एक पूरी एंटरटेनर बनने जा रही है। रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद अपने बेस्ट पर हैं, उन्होंने ज़बरदस्त म्यूज़िक दिया है जो फिल्म की हाई-वोल्टेज एनर्जी को पूरी तरह से कॉम्प्लिमेंट करता है। यह फिल्म तमिल हिट थेरी की तेलुगु रीमेक है, जिसमें पवन कल्याण एक दमदार पुलिस ऑफिसर का रोल कर रहे हैं।

मेकर्स अब फिल्म से एक पावर-पैक्ड 40-सेकंड की झलक रिलीज़ करने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे बज़ और भी बढ़ जाएगा। उम्मीदें आसमान छू रही हैं और एक्साइटमेंट लगातार बढ़ रहा है, उस्ताद भगत सिंह एक बार फिर मास सिनेमा को नया रूप देने के लिए तैयार है। फिल्म 26 मार्च, 2026 को ग्रैंड रिलीज़ के लिए तैयार है। मैथरी मूवी मेकर्स के तहत नवीन यरनेनी और वाई. रवि शंकर द्वारा प्रोड्यूस की गई, उस्ताद भगत सिंह में श्रीलीला, राशि खन्ना और पार्थीबन जैसे स्टार्स हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

शक्ति का सबसे पक्का उत्तर रणनीतिक स्पष्टता

सतीश झा

भारत इस आर्थिक कूटनीति की वापसी से परखा गया। आलोचकों का तर्क है कि नई दिल्ली ने दबाव में जल्दी कदम उठाया – कृषि और नीतिगत स्वायत्तता के कुछ मोर्चों पर रियायत दी, जबकि धैर्य बेहतर शर्तें दिला सकता था। जिन देशों ने अधिक घर्षण सहा, उनकी तुलना में भारत का रुख सावधान दिखा। आरोप गंभीर है। उस पर विचार होना चाहिए। लेकिन संदर्भ भी जरूरी है।

जब डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी व्यापार नीति के केंद्र में फिर से टैरिफ को रखा, तो उन्होंने सिर्फ इस्पात, सोलर पैनल या ज्वार पर टैक्स नहीं लगाया बल्कि उन्होंने अनुमान, पूर्वानुमेयता पर टैक्स लगाने की रीति-नीति बनाई। और उन्होने यह ऐसी दुनिया मेंल क्या जहाँ पूंजी, सप्लाई चेन और कूटनीति सब निश्चितता पर निर्भर हैं। इसलिए हुआ क्या? वैश्विक बाजार, व्यापार. विदेश नीति सभी में अनिश्चितता खुद एक शक्ति का रूप पा गई?

विकासशील देशों के लिए टैरिफ की वापसी एक पुरानी याद जगाने वाली थी। कभी संरक्षण ढाल और सहारा दोनों रहा था – नाजुक उद्योगों को बड़े और पूंजी-संपन्न देशों की मार से बचाकर बढ़ने का मौका देने का तरीका। पूर्वी एशिया ने इसे अनुशासन के साथ अपनाया। चीन ने इसे संयुक्त उपक्रमों, तकनीक हस्तांतरण और निर्यात महत्वाकांक्षा से जोड़ा। संरक्षण पुरानी सोच नहीं था; वह रणनीति था।

वैश्वीकरण ने मानो वह अध्याय बंद कर दिया था। औसत टैरिफ घटे, बहुपक्षीय नियम मजबूत हुए, और सुरक्षा की जगह दक्षता ने ले ली। लेकिन ट्रंप की चाल ने संकेत दिया कि व्यापार तकनीकी प्रबंधन से फिर भू-राजनीतिक दबाव के औजार में बदल गया है। टैरिफ अब केवल आर्थिक साधन नहीं रहे; वे मोलभाव के हथियार बन गए, जिन्हें अचानक इस्तेमाल कर रियायतें लेने और रिश्तों को फिर से गढ़ने के लिए तैनात किया गया।

भारत इस आर्थिक कूटनीति की वापसी से परखा गया। आलोचकों का तर्क है कि नई दिल्ली ने दबाव में जल्दी कदम उठाया – कृषि और नीतिगत स्वायत्तता के कुछ मोर्चों पर रियायत दी, जबकि धैर्य बेहतर शर्तें दिला सकता था। जिन देशों ने अधिक घर्षण सहा, उनकी तुलना में भारत का रुख सावधान दिखा। आरोप गंभीर है। उस पर विचार होना चाहिए। लेकिन संदर्भ भी जरूरी है।

मान्यताओं पर सवाल

आलोचना कुछ धारणाओं पर टिकी है। पहली यह कि टैरिफ आज भी शिशु उद्योगों की रक्षा के लिए अनिवार्य हैं। यह तर्क उस दौर में सही था जब औद्योगीकरण के लिए सुरक्षित घरेलू बाजार जरूरी थे और पूंजी की कमी में पैमाना निर्णायक होता था। लेकिन आज की वृद्धि – डिजिटल सेवाओं, दवा उद्योग और उन्नत विनिर्माण में – शुरुआत से ही वैश्विक रूप से जुड़ी है। प्रतिस्पर्धा के बिना संरक्षण अक्षमता को स्थायी बना सकता है। असली सवाल यह नहीं कि टैरिफ हैं या नहीं, बल्कि यह कि क्या उनके साथ संस्थागत अनुशासन और तकनीकी उन्नयन जुड़ा है।

दूसरी धारणा यह है कि चीन का रास्ता दोहराया जा सकता है। चीन ने पैमाने, केंद्रीकृत समन्वय और लंबी रणनीतिक दृष्टि को जोड़ा। भारत, एक विशाल संघीय लोकतंत्र, अलग ढंग से काम करता है। यहाँ अधिकार बंटा हुआ है, राजनीति बहस से गुजरती है, और नीतिगत तालमेल धीरे-धीरे बनता है। यह मान लेना कि भारत चीन की संरक्षणवादी क्रमबद्धता की नकल कर सकता है, संरचनात्मक फर्क को नजरअंदाज करना है।

तीसरी धारणा यह है कि ट्रंप के टैरिफ मनमाने थे और इसलिए अस्थायी – जिन्हें न्यायिक या संस्थागत दबाव नरम कर देगा। भले कुछ फार्मूले अचानक लगे हों, पर उनकी सोच उनके नजरिए में सुसंगत थी। टैरिफ लेन-देन वाली कूटनीति में दबाव का साधन थे। उनका मकसद बहुपक्षीय आदर्श की रक्षा नहीं, द्विपक्षीय सौदे को मजबूर करना था। कानूनी उलटफेर की प्रतीक्षा रणनीति नहीं भी हो सकती थी; वह खेल की गति को गलत पढ़ना भी हो सकता था।

और फिर भू-राजनीति है। व्यापार विवाद अकेले नहीं होते। भारत-अमेरिका संबंध रक्षा सहयोग, खुफिया साझेदारी, तकनीकी साझेदारी और इंडो-पैसिफिक में चीन संतुलन तक फैले हैं। केवल आर्थिक नजर से रियायत देखना व्यापक गणना को अनदेखा करना है। एक क्षेत्र में रणनीतिक जगह सुरक्षित करने के लिए दूसरे क्षेत्र में समायोजन करना पड़ सकता है।

प्रतिक्रिया से आगे

फिर भी आलोचक एक बात सही कहते हैं- टैरिफ असली युद्धभूमि नहीं हैं। वे लक्षण हैं। यदि भारत की प्रतिक्रिया केवल दाल या पशु-चारे पर शुल्क को लेकर सौदेबाजी तक सीमित रहेगी, तो वह शतरंज की जगह कैरम खेल रहा होगा। असली प्रश्न यह नहीं कि दबाव में भारत ने ज्यादा रियायत दी या नहीं। प्रश्न यह है कि क्या वह इस क्षण को दीर्घकालिक रणनीतिक लाभ में बदलता है।

कृषि से शुरुआत करें, जहाँ चिंता सबसे तीखी है। कुछ वस्तुओं पर रियायत किसानों की आजीविका और खाद्य संप्रभुता को लेकर डर जगाती है। इसका जवाब तात्कालिक संरक्षण नहीं, पुनर्स्थापन है। भारत अपने पारंपरिक अनाज – खासकर मिलेट्स – को जलवायु-सहिष्णु और पोषक विकल्प के रूप में वैश्विक बाजार में आगे ला सकता है। किसान सहकारिताओं को मजबूत कर निर्यात पैमाना और सौदेबाजी शक्ति बढ़ाई जा सकती है। कृषि नीति को जलवायु कूटनीति से जोड़ा जा सकता है, ताकि टिकाऊ अनाज वैश्विक समाधान का हिस्सा बनें, घरेलू कमजोरी नहीं। इससे कथा बदलती है। आयात से बचाव की जगह मांग गढ़ने की बात होती है।

अब बातचीत की रणनीति। धैर्य निष्क्रियता नहीं है। व्यापार कूटनीति में समय भी दबाव का साधन होता है। एकतरफा

▶▶ शेष पृष्ठ 5 पर

शब्द सामर्थ्य -066

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

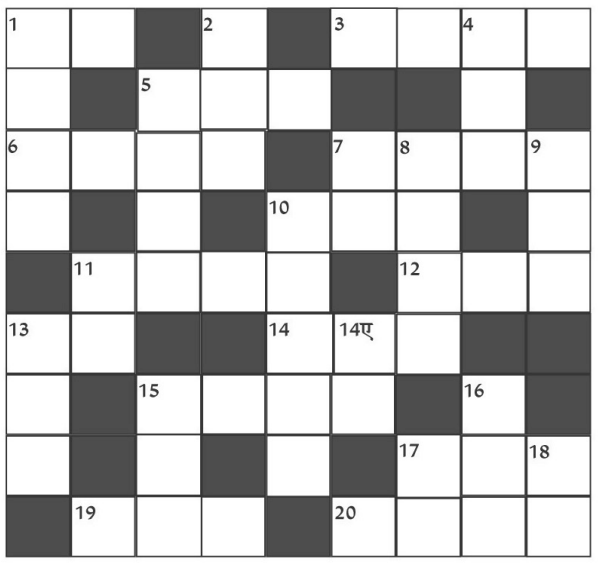

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 65 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

तुम्बाड 2 में होगा अंतरराष्ट्रीय धमाका, निर्माताओं ने इन धुरंधरों को किया शामिल

सोहम शाह की फिल्म तुम्बाड साल 2018 में रिलीज हुई थी जिसने सफलता का स्वाद बखूबी चखा। फिल्म के दृश्य, कहानी और कॉन्सेप्ट ने हर किसी का मन मोह लिया, जिसका नतीजा यह हुआ कि लोग इसके सीक्वल से ढेरों उम्मीदें लगाकर बैठे हुए हैं। निर्माताओं ने तुम्बाड 2 का ऐलान तो पहले ही कर दिया था। खबर है कि फिल्म का लेवल बढ़ाने के लिए एक खास तैयारी चल रही है, जिसे सुनकर लोगों का उत्साह बढ़ जाएगा।

तुम्बाड 2 के जरिए अपनी पौराणिक दुनिया और दृश्य पैमाने को बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने जाने-माने अंतरराष्ट्रीय कलाकारों को परियोजना में शामिल करने की योजना बनाई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि लॉस एंजिल्स स्थित कॉन्सेप्ट आर्टिस्ट और क्रिएचर डिजाइनर साइमन ली और लोकप्रिय प्रोस्थेटिक डिजाइनर शॉन हैरिसन इसके साथ जुड़ गए हैं। निर्माताओं का यह फैसला सीक्वल के सिनेमाई लेवल को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

साइमन को कई हॉलीवुड फिल्मों में उनके काम के लिए जाना जाता है। उन्होंने गॉडजिला वर्सेस कोंग, गॉडजिला- किंग ऑफ द मॉन्स्टर्स और द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स- द रिंग्स ऑफ पावर जैसी फिल्मों में प्रभावशाली जीव-जंतुओं को डिजाइन किया है। उनके साथ हैरिसन भी द ममी, एवेंजर्स-एज ऑफ अल्ट्रॉन और हैरी पॉटर फ्रैंचाइजी में प्रोस्थेटिक डिजाइनर के तौर पर योगदान दे चुके हैं। कुल मिलाकर निर्माता इन धुरंधरों को शामिल करके सीक्वल का लेवल काफी बढ़ाने वाले हैं।

टॉक्सिक के नए पोस्टर ने बढ़ाई फैंस के दिलों की धड़कन!

यश, कियारा आडवाणी की टॉक्सिक, अपने दमदार टाइटल इंट्रो वीडियो के बाद से सबका ध्यान खींच रही है. फैंस इसके रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इस इंतजार के बीच डायरेक्टर गीतू मोहनदास ने फिल्म के टीजर का अनाउंस करके इस एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया है. यह फिल्म रणवीर सिंह की धुरंधर 2 से क्लैश करेगी. हफ्तों के इंतजार के बाद, मेकर्स ने टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स के टीजर रिलीज की तारीख का एलान किया है. गीतू मोहनदास ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर यश का नया पोस्टर शेयर किया.

पोस्टर में यश अपने किरदार में नजर आ रहे हैं. वह खून से लथपथ बर्फीली जमीन पर खड़े दिख रहे हैं. एक्टर बोतल से पानी पीते हुए दिख रहे हैं. मलबे और तबाही के बीच उनका चेहरा थोड़ा छिपा हुआ है. नया पोस्टर इस बात को और पक्का करता हैं कि फिल्म एक डार्क, स्टाइलिश एक्शन ड्रामा है जो एक हिंसक और नैतिक रूप से अस्पष्ट दुनिया में सेट है.

टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स में कन्नड़ सुपरस्टार यश राया का रोल अदा करेंगे. कियारा आडवाणी नादिया की भूमिका में हैं, हुमा कुरैशी एलिजाबेथ के रूप में नजर आएंगी. नयनतारा गंगा के रूप में हैं, जबकि तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत कलाकारों की टोली को पूरा करती हैं.

गीतू मोहनदास की निर्देशित और यश के साथ सह-लिखित टॉक्सिक फिल्म कन्नड़ और अंग्रेजी में एक साथ शूट की गई है. इसे कई भाषाओं में डब किए जाने का प्लान है. वेंकट के नारायण और यश की केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स के बैनर तले निर्मित, टॉक्सिक फिल्म ईद, उगादी और गुड़ी पड़वा के अवसर पर 19 मार्च को विश्व स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है.

शक्ति का सबसे पक्का उत्तर रणनीतिक..

◀◀ पृष्ठ 4 का शेष

कदम अक्सर राजनीतिक और बाजार दबाव में बदलते हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में निर्यात बाजार विविध कर भारत किसी एक साझेदार पर निर्भरता घटा सकता है। विकल्प जितने अधिक, उतनी कम जल्दबाजी। सोच-समझकर किया गया विलंब सौदेबाजी को मजबूत कर सकता है।

तकनीक का प्रश्न अधिक सूक्ष्म है। चीन ने संयुक्त उपक्रमों के जरिए तकनीकी ज्ञान सोखा। भारत निवेश हतोत्साहित किए बिना वही दबाव नहीं बना सकता। लेकिन वह स्थानीय अनुसंधान प्रतिबद्धताओं को बढ़ावा दे सकता है, विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग को गहरा कर सकता है, और संतुलित नियमन के जरिए डिजिटल संप्रभुता की रक्षा कर सकता है। लक्ष्य यह है कि ज्ञान को सोखा जाए, पर आकार न खोया जाए – स्पंज की तरह अवशोषित किया जाए, बिना घुले।

संस्थागत विश्वसनीयता अस्थिरता का शांत प्रतिरोध है। अचानक टैरिफ घोषणाओं से घबराए निवेशक ऐसे ठिकाने तलाशते हैं जहाँ अनुबंध लागू हों, कर नीति अनुमानित हो, और लॉजिस्टिक्स कुशल हो। यदि भारत कस्टम प्रक्रिया सरल करे, नियामकीय अस्पष्टता घटाए और विवाद निपटान मजबूत करे, तो वह विकल्प भर नहीं, स्थिरता का केंद्र बन सकता है। जब अनिश्चितता वॉशिंगटन से उठे, तो नई दिल्ली की स्थिरता रणनीतिक पूंजी बन सकती है।

टैरिफ बहस में जो बात अक्सर छूट जाती है, वह यह है कि आज की आर्थिक प्रतिस्पर्धा सीमा शुल्क तक सीमित नहीं है। इसमें सब्सिडी, निर्यात नियंत्रण, औद्योगिक नीति, डिजिटल मानक और वित्तीय दबाव सब शामिल हैं। वैश्वीकरण खत्म नहीं हुआ; वह बदला है। सप्लाई चेन क्षेत्रीय हो रही हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा व्यापार प्रवाह को प्रभावित कर रही है। मुकाबला संरचनात्मक है, क्षणिक नहीं।

ऋचा चड्ढा ने बयां किया करियर का शुरुआती अनुभव

अभिनेत्री और निर्माता ऋचा चड्ढा ने अपने करियर की शुरुआत के दौरान एक कड़वे अनुभव को साझा किया है। उन्होंने बताया कि जिस व्यक्ति पर वह बहुत भरोसा करती थीं, उसने उनके हितों के खिलाफ काम किया और उन्हें धोखा दिया था। ऋचा ने बताया कि इस घटना से उन्हें यह सबक मिला कि हर कोई आपका ध्यान नहीं रख सकता या आपके बारे में नहीं सोच सकता। ऋचा ने कहा, अपने करियर की शुरुआत में मुझे यह कड़वा सबक मिला कि हर कोई आपका इतना ध्यान नहीं रखता। मैं भोली थी। कुछ लोग थोड़े से अंतर से भी खतरा महसूस करते हैं और नहीं चाहते कि आप उनसे आगे निकल जाएं या उनकी स्पॉटलाइट छीन लें। यह अनुभव उनके लिए काफी परेशान करने वाला था, लेकिन इससे उन्होंने अपनी पसंद का बचाव करना और सही लोगों पर भरोसा करना सीखा। उन्होंने इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वह उनसे संपर्क करने में हिचकिचाएं नहीं। आम धारणा है कि बड़े एक्टर्स से अप्रोच करना मुश्किल होता है, लेकिन ऋचा ने इसे गलत बताया।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, एक सोच है कि हमसे संपर्क करना कठिन है, लेकिन यह सच नहीं। मेरे लिए सिर्फ अच्छी स्क्रिप्ट, सच्ची राइटिंग और कहानी का असर मायने रखता है। मैं हमेशा सही कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं।

ऋचा ने शुरुआती दिनों में कम आंके जाने की बात भी कही। वह चाहती हैं कि इंडी क्रिएटर्स बिना झिझक के अच्छे रोल और कहानियों के लिए संपर्क करें।

ऋचा एक नई नॉन-फिक्शन सीरीज का निर्माण कर रही हैं। इसके जरिए ऋचा का मकसद दर्शकों को जानी-पहचानी जगहों को नई नजर से देखने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही कम जानी-पहचानी कहानियों को उजागर कर भारत की सांस्कृतिक गहराई और इंसानी जज्बे को सेलिब्रेट करना है।

यह सीरीज ट्रैवल, कल्चर और भारत भर में लोगों और जगहों को परिभाषित करने वाली कहानियों पर आधारित होगी। यह जिज्ञासा और सहानुभूति से प्रेरित कहानी है। सीरीज भारत की विविधता समुदायों, परंपराओं और जीवन अनुभवों की कहानी को दिखाएगी। दर्शकों को आज के नजरिए से संस्कृति का जीवंत और इमर्सिव अनुभव मिलेगा।

वन पीस में दिशा पाटनी ने दिए लाजवाब पोज

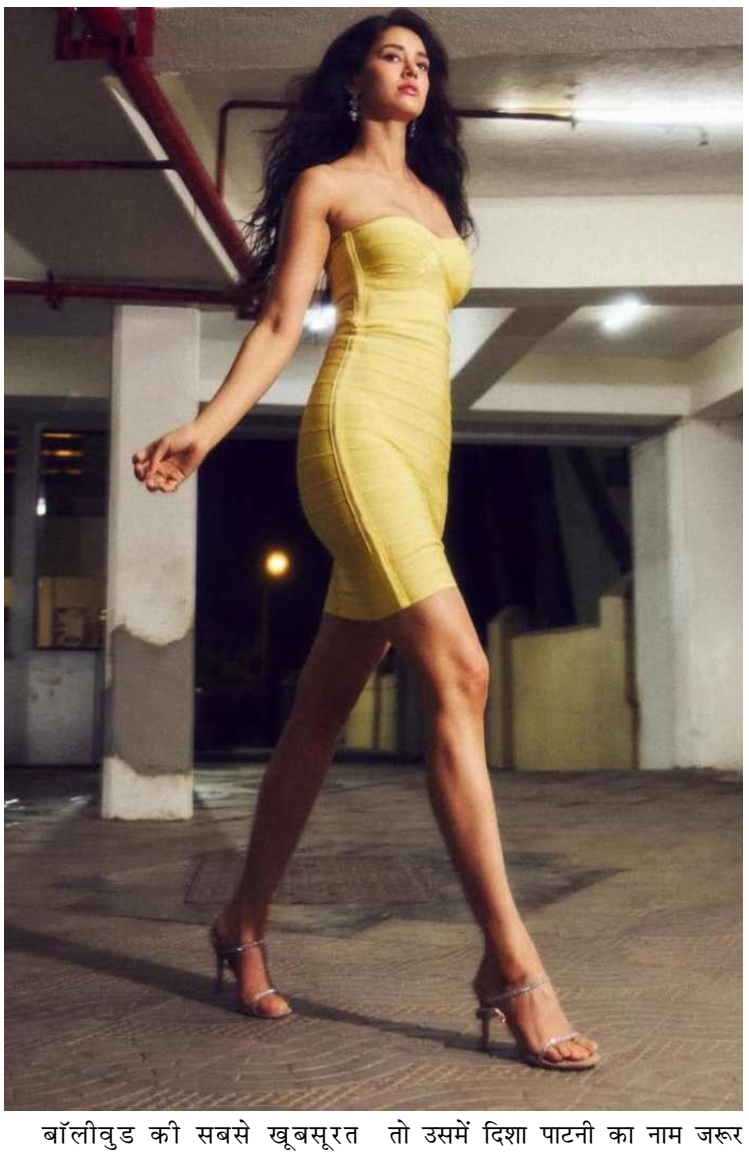

बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अदाकाराओं के बारे में जिक्र किया जाए तो उसमें दिशा पाटनी का नाम जरूर शामिल होगा। दिशा पाटनी वो बी टाउन एक्ट्रेस हैं, जो आए दिन अपनी शानदार तस्वीरों के जरिए महफिल लूटती हुई नजर आती हैं।

अभिनेत्री दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता हैं कि उन्होंने वन पीस में कई पोज दिए हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा है मेरी सबसे प्यारी तस्वीर। दिशा की तस्वीरों को फैंस पसंद कर रहे हैं और उस पर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा आप हमेशा से खूबसूरत हैं। एक दूसरे यूजर ने उन्हें एशिया क्वीन बताया हैं। हाल ही में दिशा तमिल फिल्म कंगुवा में नजर आई थी। अगली बार वह फिल्म आवारपन 2 और वेलकम टू द जंगल में आने वाली हैं। वह तमिल-अंग्रेजी फिल्म हिलेरियस गार्ड्स सांगा का भी हिस्सा होंगी।

अक्सर देखा गया है कि दिशा पाटनी जब भी सोशल मीडिया पर कोई तस्वीर शेयर करती हैं, वो चंद मिनटों में फैंस के बीच चर्चा का विषय बन जाती है। आलम ये है कि हमेशा की तरह इस बार भी दिशा की ये लेटेस्ट तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं।

दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म एमएस धोनी-द अनटोल्ड स्टोरी से हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने वालीं दिशा पाटनी ने अब तक अपनी कमाल की अदाकारी से हर किसी को प्रभावित किया है।

खड़े ही रह जाते हैं यात्री, बाईपास मार्ग से गुजर जाती हैं बसें

कोटद्वार(आरएनएस)। बाईपास मार्ग से बसें गुजारने पर विभागीय कार्रवाई की चेतावनी देने के बाद भी कई रोडवेज बसों का संचालन बाईपास मार्गों से ही किया जा रहा है। इसकी शिकायत एक बार फिर परिवहन निगम के अधिकारियों से करते हुए सुधार की मांग की गई है। कोटद्वार रोडवेज डिपो की 18 से 2० बसें रोजाना दिल्ली के लिए संचालित होती है। इसके अलावा गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, एनसीआर से होकर अन्य क्षेत्रों के लिए बसें चलती हैं। बसों का ठहराव रास्ते के उन सभी स्टॉपेज पर अनिवार्य किया हुआ है जिनके टिकट ई-टिकट मशीन से बन रहे हैं लेकिन कई बसें पिछले कुछ वर्षों में विकसित हुए बाईपास मार्गों से गुजर रही है। कोटद्वार डिपो की रोडवेज बसों के स्टॉपेज पर नहीं पहुंचने और बाईपास मार्गों से गुजर जाने की शिकायत पर रोडवेज डिपो के समयपाल कक्ष के बाहर नोटिस चस्पा किया गया था। इसमें चालकों-परिचालकों को बाईपास मार्गों से बसें गुजारते हुए निर्धारित स्टॉपेज पर बस नहीं ले जाने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी। इसके बाद भी बसें बाईपास मार्ग से गुजारी जा रही है। किरतपुर निवासी मदनपाल सिंह ने एआरएम अनुराग पुरोहित को बताया कि रोडवेज बसें फ्लाईओवर से होकर बिजनौर रवाना हो जाती हैं और किरतपुर के लोग रोडवेज बस सेवा से वंचित रह जाते हैं। इसी तरह अन्य शहरों के बाहर बने बाईपास मार्गों से बसें गुजर रही हैं। उन्होंने आवश्यक कार्य से बिजनौर, मेरठ व दिल्ली जाने वाले लोगों की पीड़ा से अवगत कराते हुए बसों का निर्धारित स्टॉपेज तक पहुंचना सुनिश्चित करने की अपील की। एआरएम ने आकस्मिक निरीक्षण करते हुए सुधार कराने का आश्वासन दिया।

भाजयुमो की जिला कार्यकारिणी का विस्तार

रुद्रपुर(आरएनएस)। भाजयुमो ऊधमसिंह नगर की जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की घोषणा की गई है। जिला कार्यकारिणी में चार उपाध्यक्ष, दो महामंत्री, चार मंत्री बनाये गये हैं। गुरुवार को भाजयुमो जिलाध्यक्ष विपिन सिंह गहलौत ने भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल की सहमति और युवा मोर्चा प्रदेश विपुल मंढोली से परामर्श के बाद जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया है। इसमें प्रमोद गडकोटी, विकास चौधरी, अंकित गोयल, रचित सिंह गंगवार को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। विशाल सिंह, शशांक वर्मा को जिला महामंत्री, मनीष गोस्वामी, रोहित भट्ट, मीनाक्षी राणा, मुकेश रावत को जिला मंत्री बनाया गया है। वहीं हरजीत कंबोज को जिला कोषाध्यक्ष, विक्की राघव को जिला कार्यालय मंत्री, शिवम खुराना को जिला मीडिया संयोजक, भूपेन्द्र सिंह को जिला मीडिया सह-संयोजक, सुमित बहादुर पाल को जिला सोशल मीडिया संयोजक, कौशल विश्वास को जिला सोशल मीडिया सह-संयोजक, आशीष सिंह कुमार को जिला आईटी संयोजक बनाया गया है। युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विपिन सिंह गहलौत ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी।

सू- दोकू क्र.066

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.65 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

डीएम ने दिए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों से संबंधित मामलों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

बागेश्वर(आरएनएस)। कलेक्ट्रेट सभागार में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उत्तराधिकारियों की समस्याओं के समाधान को बैठक की। इसमें विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित प्रकरणों एवं मुद्दों की समीक्षा करते हुए उनके त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए।

जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने कहा कि आज हम जिस स्वतंत्र वातावरण में सेवाएं दे रहे हैं, उसका श्रेय उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और उनके परिवारों को जाता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अथक परिश्रम और बलिदान दिया। डीएम ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों से संबंधित मामलों को पूर्ण संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाए। यह भी निर्देश दिए कि समस्त उपजिलाधिकारी लंबित प्रकरणों का एक सप्ताह के भीतर अनिवार्य रूप से निस्तारण करते हुए उसकी अनुपालन रिपोर्ट कलेक्ट्रेट में प्रस्तुत की जाए।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उत्तराधिकारियों ने बैठक के दौरान अपनी विभिन्न समस्याएं एवं सुझाव जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए। डीएम ने जिला पंचायतराज अधिकारी सुंदर लाल को भी निर्देशित किया कि शिलापट संबंधित शेष लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करते हुए उनकी अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. कुमार आदित्य तिवारी, सीईओ (शिक्षा) विनय कुमार आर्या, एसडीएम गरुड़ वैभव काण्डपाल, डीपीओ सुन्दर लाल, ईई जल निगम वी.के. रवि, ईई जल संस्थान दलीप सिंह बिष्ट, ईई यूपीसीएल मोहम्मद अफजल, ईई पीएमजीएसवाई कपकोट अम्बरीष रावत आदि मौजूद रहे।

फार्मा अन्वेषण में छात्रों के प्रोजेक्टों ने किया प्रभावित

हरिद्वार(आरएनएस)। हरिद्वार यूनिवर्सिटी के फार्मेसी विभाग की ओर से आयोजित फार्मा अन्वेषण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने फार्मेसी और स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर आकर्षक मॉडल और प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। आयोजित प्रदर्शनी में दवाओं के निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण, ड्रग सेफ्टी, हर्बल मेडिसिन और आधुनिक फार्मास्यूटिकल तकनीकों से जुड़े मॉडल खास आकर्षण का केंद्र रहे।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ड्रग्स इंस्पेक्टर अनिता भारती ने प्रदर्शनी का निरीक्षण कर छात्रों की मेहनत और रचनात्मकता की सराहना की।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और नए शोध व नवाचार को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं।

उन्होंने छात्रों को अनुशासन और लगन के साथ फार्मेसी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विवि के कुलाधिपति एसके गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें व्यावहारिक ज्ञान भी प्रदान करते हैं।

इस अवसर पर विवि उपाध्यक्ष नमन बंसल, आदेश आर्य, सुमित चौधरी सहित अन्य छात्र मौजूद रहे।

सीडीओ के निरीक्षण में 34 कर्मचारी गैरहाजिर, वेतन रोकने के निर्देश

बागेश्वर(आरएनएस)। होली पर्व समाप्त होने के बाद भी सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की लापरवाही सामने आई है।

मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) ने विभिन्न विभागों के कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान 3० कार्यालयों में कुल 34 कर्मचारी अनुपस्थित मिले, जबकि सिंचाई विभाग के ईई और जिला युवा कल्याण अधिकारी समय पर कार्यालय नहीं पहुंचे। इस पर सीडीओ ने कड़ी नाराजगी जताते हुए सभी अनुपस्थित कर्मचारियों का वेतन रोकने और उनसे स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए। सीडीओ ने सबसे पहले अर्थ एवं संख्या अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण किया, जहां सभी कर्मचारी उपस्थित मिले। इसके बाद जीआईएस सेल, बहुद्देशीय वित्त, कृषि, उद्यान, कृषि एवं भूमि संरक्षण, पंचस्थानी, बाल विकास, पशुपालन, पीआरडी, डेयरी, रीप परियोजना, उरेडा, मत्स्य, जिला पंचायत राज, ग्रामीण विकास विभाग, ब्लॉक कार्यालय बागेश्वर, लघु सिंचाई, सिंचाई उपखंड, लोनिवि, जल संस्थान, पीएमजीएसवाई, मुख्य शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी तथा समग्र शिक्षा कार्यालयों का निरीक्षण किया।निरीक्षण में सबसे अधिक आठ कर्मचारी लोक निर्माण विभाग से अनुपस्थित मिले। इसके अलावा लघु सिंचाई में छह, जीआईएस सेल में एक, बहुद्देशीय वित्त में दो, कृषि में दो, बाल विकास में एक, मत्स्य में दो, सिंचाई उपखंड में दो, सिंचाई खंड में दो, जल संस्थान में एक, पीएमजीएसवाई में तीन, मुख्य शिक्षा कार्यालय में एक, जिला शिक्षा कार्यालय में एक तथा समग्र शिक्षा में दो कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। सीडीओ ने इसे अनुशासनहीनता बताते हुए सख्त कार्रवाई के संकेत दिए हैं। निरीक्षण के बाद अनुपस्थित कर्मचारियों में हड़कंप मचा रहा।

फार्मा अन्वेषण कार्यक्रम का आयोजन

रुड़की(आरएनएस)। हरिद्वार यूनिवर्सिटी में फार्मेसी विभाग की ओर से फार्मा अन्वेषण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने फार्मेसी और स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर आकर्षक मॉडल और प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए, जिन्हें देखकर अतिथि और शिक्षक काफी प्रभावित हुए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ड्रग्स इंस्पेक्टर अनीता भारती ने प्रदर्शनी का निरीक्षण करते हुए छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार किए गए प्रोजेक्ट और मॉडलों की सराहना की। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सीए एसके गुप्ता ने छात्रों की मेहनत और रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ता है। इस दौरान विवि उपाध्यक्ष नमन बंसल, पीवीसी आदेश आर्य, रजिस्ट्रार सुमित चौधरी, प्रोफेसर देवदत्त, प्रोफेसर संदीप दरबारी, असिस्टेंट प्रोफेसर विशाल बालियान और शालिनी शर्मा आदि मौजूद रहे।

विभागों की हीलाहवाली से उदाल्का कूड़ा निस्तारण केंद्र पर लटका ताला

उत्तरकाशी(आरएनएस)। डुंडा विकासखंड के धनारी क्षेत्र के उदाल्का गांव में लाखों की लागत से बने कूड़ा निस्तारण केंद्र का संचालन नहीं होने से वहां पर लगी मशीनें धूल फांक रही है।

डीएम प्रशांत आर्य के निर्देश के बावजूद जिम्मेदार विभागों की ओर से इसके संचालन में हीलाहवाली की जा रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में कूड़ा निस्तारण नहीं हो पा रहा है। डुंडा विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों, कस्बों और बाजारों के कूड़ा निस्तारण के लिए उदाल्का गांव के समीप एक वर्ष पूर्व करीब 14 लाख की लागत से कूड़ा निस्तारण केंद्र का निर्माण किया गया था लेकिन इसका अभी तक संचालन शुरू नहीं हो पाया है। इसका निर्माण पूरा होने के बावजूद इसमें अभी तक बिजली पानी की सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाई है। इससे इसमें ताला टंगा हुआ है। साथ ही इसके आसपास झाड़ियां उग आई है। केंद्र का निर्माण खंड विकास कार्यालय की ओर से किया गया था। साथ ही उसके बाद इसमें बिजली पानी जैसे संसाधन स्वजल विभाग की ओर से उपलब्ध करवाए जाने थे। उसके बाद जिला पंचायत ने इसका संचालन करना था लेकिन संबंधित विभागों की लापरवाही के कारण यह अधर में ही लटका हुआ है। पूर्व में जिलाधिकारी ने कूड़ा निस्तारण और स्वच्छ भारत मिशन आदि के तहत ली गई बैठक में केंद्र से संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर जल्द ही इसके संचालन के निर्देश दिए गए थे लेकिन विभागों की ओर से इसकी अनदेखी की जा रही है।

पूर्व प्रधान तनुजा चौहान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कूड़ा निस्तारण नहीं हो पा रहा है।

बीडीओ दिनेश चंद्र जोशी ने कहा कि इसमें बिजली पानी आदि सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए कई बार स्वजल विभाग को लिखित दिया गया लेकिन उनकी ओर से कार्रवाई नहीं हो रही है।

भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में विधानसभा बजट सत्र में परेड की सलामी लेते हुए राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ।

भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में विधानसभा बजट सत्र में प्रतिभाग हेतु प्रस्थान करते हुए राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि), विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूड़ी भूषण एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ।

आज भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में प्रात:काल भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा सत्र ड्यूटी में तैनात पुलिस के जवानों से भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा उनका उत्साहवर्धन भी किया।

टिहरी झील महोत्सव 2026: काइट फेस्टिवल...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

सभी प्रकार के कार्यक्रमों व्यवस्थाओं से लेकर सभी क्षेत्रों को जोड़ने तथा संस्कृति एवं पर्यटन का बढ़ावा देने का सरहनीय कार्य जिला प्रशासन द्वारा किया गया है। कार्यक्रम में अध्यक्ष नगर पंचायत तपोवन विनीता बिष्ट ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समय समय पर आयोजित किए जाने चाहिए जिससे हमारी आने वाली पीढ़ी को हमारी संस्कृति का ज्ञान हो सके। कार्यक्रम में टिहरी झील महोत्सव के तहत कल रविवार को करायी गयी रीवर राफ्टिंग में विजेताओ को चेक वितरण किये गये जिसमें टूरिस्ट कैटागिरी में 25 टीमों ने पंजीकरण करवाया जिसमें गढ़वाल मंडल विकास निगम की टीम प्रथम स्थान पर संगम एडवेंचर द्वितीय तथा रीवर एक्सपोलर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं प्रोपेशनल कैटागिरी में 98 टीमों ने पंजीकरण कराया जिसमें रेड चिल्ली ने प्रथम, नेचर रेपिड एक्सपेंडेसन द्वितीय तथा पैरा माउण्ट टूर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में प्राथमिक विद्यालय व जूनियर हाई स्कूल ढालवाला के बच्चों द्वारा स्वगत गीत गायन व सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गयी। इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर सैकड़ों लोगो द्वारा पतंग बाजी का लुत्प उठाया। कार्यक्रम में सीडीओ वरुणा अग्रवाल, डीएफओ मुनिकी रेती दिगांत, परमार्थ निकेतन प्रतिनिधि दीपक, वार्ड सदस्य विनोद सकलानी, मुख्य कृषि अधि कारी विजय देवराड़ी, एसडीएम आशीष घिल्डियाल, खण्ड विकास अधिकारी श्रुति वत्स, ईओ मुनिकीरेती अंकिता जोशी व तपोवन अंजलि रावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी स्थानीय लोग विदेशी पर्यटकों व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गैस की बढती कीमतों के खिलाफ महिला कांग्रेस ने प्रर्दशन किया

संवाददाता

देहरादून। गैस की बढती कीमतों के खिलाफ महिला कांग्रेस ने प्रदर्शन कर गैस की अन्तेष्टि की।

आज यहां अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लाम्बा के आह्वान पर देशभर में रसोई गैस सिलेंडर के लगातार बढ़ते दामों के खिलाफ महिला कांग्रेस द्वारा विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती ज्योति रौतेला के नेतृत्व में देहरादून में महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अनोखे ढंग से विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व निध रित कार्यक्रम के तहत महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन से सर पर गैस सिलेंडर उठाकर गैस के दाम बढ़ाये जाने के विरोध में नारेबाजी करते हुए भाजपा जिला मुख्यालय की ओर पदयात्रा निकाली। यह पदयात्रा कनक चौक तक पहुंची, जहां पुलिस प्रशासन द्वारा बैरिकेटिंग लगा कर प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। इसके बाद महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंगाई और गैस सिलेंडर के बढ़ते दामों के विरोध में प्रतीकात्मक रूप से गैस सिलेंडर को फूल-माला पहनाकर उसकी "अंत्येष्टि" की। इस दौरान महिलाओं ने धूपबत्ती जलाकर केंद्र सरकार की महंगाई की नीतियों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चूल्हे पर लकड़ी जलाकर

रोटी और सब्जी बनाकर यह संदेश दिया कि बढ़ती महंगाई के कारण गरीब परिवारों को एक बार फिर पुराने दौर की तरह चूल्हे पर खाना बनाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। बाद में महिलाओं ने वहीं पर बनी रोटी और सब्जी लोगों को खिलाकर सरकार की नीतियों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती ज्योति रौतेला ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा अपने उद्योगपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए लगातार रसोई गैस के दाम बढ़ाए जाने से आम जनता, विशेषकर महिलाओं पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार महिला सशक्तिकरण की बात करती है, वहीं दूसरी ओर रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी कर महिलाओं की रसोई पर सीधा हमला किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि महंगाई के कारण आज गरीब परिवारों का बजट पूरी तरह से बिगड़ चुका है और गरीब तथा मध्यम वर्ग के लिए घर चलाना कठिन होता जा रहा है। प्रदर्शन के बाद पुलिस प्रशासन द्वारा विरोध कर रही महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया गया। महिला कांग्रेस की ओर से चेतावनी दी गई कि यदि केंद्र सरकार ने रसोई गैस के बढ़े हुए दाम वापस नहीं लिए और महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम नहीं उठाए तो प्रदेशभर में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस अवसर पर महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष श्रीमती आशा मनोरमा शर्मा, नजमा खान, जया कर्नाटक, महानगर अध्यक्ष उर्मिला ढोंडियाल थापा,जिलाध्यक्ष अंशुल त्यागी, मंजू मिश्रा, महासचिव अनीता सकलानी, जिलाध्यक्ष पूनम सिंह, दीपा चौहान, नलिनी दीक्षित, चन्द्रकला नेगी, भावना शर्मा, सुशीला शर्मा, अनुराधा तिवाडी, देवेन्द्र कौर, रेखा ढींगरा, कई पदाधि कारी और कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

आईएआरटी ने पर्यावरण अनुकूल नवाचार को किया लॉन्च

संवाददाता

देहरादून। आईएआरटी ने एक ऐतिहासिक एवं पर्यावरण-अनुकूल नवाचार को सफलतापूर्वक लॉन्च किया है।

आज यहां देहरादून स्थित इंस्टीटयूट आफ एग्रीकल्चर ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च (आईएआरटी) ने एक ऐतिहासिक एवं पर्यावरण-अनुकूल नवाचार को सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। पिछले 2 वर्षों से निरंतर चल रहे गहन अनुसंधान एवं विकास के बाद, पाइन नीडल्स (चीड़ की सुइयाँ/पिरूल) को सब्सट्रेट के रूप में उपयोग करके ऑयस्टर, मिल्की, बटन एवं गैनोडर्मा जैसे उच्च गुणवत्ता वाले मशरूम की सफल खेती की तकनीक विकसित की गई है। साथ ही, पाइन पीट एवं पाइन ऑर्गेनिक कंपोस्ट का उत्पादन भी शुरू किया गया है, जो पारंपरिक कृषि में क्रांति ला सकता है। यह पहल सामाजिक उद्यमिता का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने एवं स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने पर केंद्रित है। उत्तराखंड एवं अन्य हिमालयी पहाड़ी क्षेत्रों में चीड़ के जंगलों से प्रतिवर्ष लाखों टन पिरूल गिरती हैं, जो अत्यधिक ज्वलनशील होने के कारण गर्मियों में वनाग्नि का प्रमुख कारण बनती हैं।

इस नवाचार से न केवल इन अपशिष्ट पदार्थों का मूल्यवान उपयोग हो रहा है, बल्कि किसानों की उत्पादन लागत में 30-50 प्रतिशत तक की कमी

आ रही है, क्योंकि महंगे स्ट्रॉ (पराली) की जगह पिरूल का उपयोग किया जा सकता है। पद्मश्री कल्याण सिंह रावत, मैती आंदोलन के संस्थापक एवं प्रसिद्ध पर्यावरणविद् ने इस नवाचार की भरपूर सराहना की। उन्होंने कहा, यह तकनीक अत्यंत उपयोगी एवं दूरदर्शी है। यह स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करेगी, विशेषकर महिलाओं एवं युवाओं के लिए, तथा पर्यावरण की रक्षा भी करेगी। पहाड़ी क्षेत्रों के किसानों के लिए यह वरदान साबित होगी, क्योंकि यह लागत कम करने के साथ-साथ जंगलों में आग लगने की समस्या को भी काफी हद तक नियंत्रित करेगी। मैती आंदोलन की भावना के अनुरूप यह कदम प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण विकास का प्रतीक है। इस सफलता के पीछे आईएटीआर की समर्पित रिसर्च एवं डेवलपमेंट टीम का अथक परिश्रम रहा है। टीम के प्रमुख सदस्यों में शामिल हैं। आईएटीआर के सीईओ अमित उपाध्याय ने इस अवसर पर कहा, षपिछले 2 वर्षों से हमारी टीम दिन-रात मेहनत कर रही थी। अब हम सफलतापूर्वक पाइन से पैरूल कम्पोस्ट पइन पीट तैयार कर रहे हैं और पाइन नीडल्स पर मशरूम ग्रो कर रहे हैं। यह केवल शुरुआत है। हम अब इस तकनीक को बड़े स्तर पर लागू करने की योजना बना रहे हैं। इससे हजारों ग्रामीण किसान लाभान्वित होंगे, स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा और पर्यावरण संरक्षण में ठोस योगदान होगा। आईएटीआर का मिशन ही यही है। कृषि को कौशल, नवाचार एवं उद्यमिता से जोड़कर ग्रामीण भारत को सशक्त बनाना।

कांग्रेस विधायकों ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। विधानसभा के बाहर कांग्रेस विधायकों ने हाथों में पट्टिकाएं पकड़ कर प्रदर्शन किया। कांग्रेस विधायक भुवन कापड़ी, हरीश धामी, प्रीतम सिंह, मनोज तिवारी और अनुपमा रावत ने भी सरकार पर निशाना साधा। उनका कहना है कि सरकार ने पहले से ही बजट सत्र की अवधि तय कर दी है, जो लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है।

कांग्रेस विधायकों का कहना है कि सामान्य तौर पर विधानसभा सत्र के एजेंडे और अवधि को लेकर सभी पक्षों से चर्चा की जाती है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं किया गया। कांग्रेस विधायकों का आरोप है कि सरकार के पास जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने के लिए कोई ठोस एजेंडा नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी, पलायन और विकास जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिन पर विधानसभा में विस्तार से चर्चा होनी चाहिए। लेकिन सरकार सत्र को छोटा रखकर इन मुद्दों से बचने की कोशिश कर रही है।

●कहा-बजट सत्र की अवधि लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ
●सत्र के एजेंडे और अवधि को लेकर नहीं की सभी पक्षों से चर्चा
●प्रदेश सरकार विभिन्न जन मुद्दों से बचने की कोशिश कर रही

विपक्ष का कहना है कि प्रश्नकाल के दौरान जनता से जुड़े कईं अहम सवाल उठाए जाने थे, लेकिन सत्र की सीमित अवधि के कारण उन पर पर्याप्त चर्चा नहीं हो पाएगी।

कांग्रेस विधायकों ने इसे सरकार की विफलता करार देते हुए कहा कि यदि सरकार के पास काम और एजेंडा होता तो सत्र को लंबा चलाने से परहेज नहीं किया जाता। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक प्रीतम सिंह ने कहा कि सरकार बच कर जाने की कोशिश कर रही है, लेकिन हम ऐसा होने नहीं देंगे।

यूकेडी कार्यकर्ताओं ने बैरियर तोड़े, पानी की बौछार

दिवालीखाल में यूकेडी कार्यकर्ताओं ने रोकी पुलिस की गाड़ियां रोकी और इसके बाद यहां पांच बैरियर तोड़ दिए। कार्यकर्ता विधानसभा जाने की मांग पर अड़े हैं। वहीं पुलिस ने उन्हें पानी की बौछार कर हटाया। प्रदर्शन के दौरान यूकेडी कार्यकर्ता पुलिस को चकमा देकर विधानसभा तक पहुंच गए थे 10 से 15 कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। दिवालीखाल में यूकेडी कार्यकर्ताओं ने रोकी पुलिस की गाड़ियां। गाड़ियों में हिरासत में ले जा रहे आंदोलनकरियों को उतारा।

उत्तराखंड की राजनीति में आएगा 'भूचाल'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। विधानसभा चुनाव आने वाले है और विपक्ष सरकार को विधानसभा के बहाने अवश्य घेरेगा। फिलहाल ग्रह और नक्षत्रों के परिवर्तन से प्रदेश की राजनीति में भूचाल आने की संभावना है। गैरसैंण में विधानसभा का बजट सत्र है और विपक्ष इस सत्र में हंगामा करेगा ही। यदि सत्ता पक्ष संयम और समझदारी से काम लेता है तो ग्रहों की अनुकूल स्थिति राज्य की राजनीति में स्थिरता और सकारात्मक बदलाव ला सकती है।

ज्योतिष के अनुसार मार्च 2026 के दौरान सूर्य, मंगल और राहु की युति के

❑सूर्य, मंगल और राहु के कारण होगी राजनीति में हलचल
❑विधानसभा चुनाव के लिए होगा सकारात्मक माहौल तैयार

कारण राज्य में राजनीति में हलचल हो सकती है। ग्रहों का गोचर अनजाने में विवाद की स्थिति पैदा कर सकता है। उत्तराखंड विधानसभा के बजट सत्र को लेकर उत्तराखंड ज्योतिष रत्न आचार्य डा. चंडी प्रसाद घिल्डियाल ने ज्योतिषीय आकलन जारी किया है।

उन्होंने बताया कि बृहस्पति के मार्गी होने का प्रभाव शासन और नीति निर्माण की प्रक्रिया पर सकारात्मक पड़ेगा। इससे सरकार के निर्णय लेने की गति बढ़ेगी और प्रशासनिक स्तर पर मजबूती देखने को मिल सकती है। यह समय सरकार के लिए जनता के बीच अपनी छवि मजबूत करने का अवसर भी बन सकता है। इसके साथ ही 2027 के चुनावों के लिए सकारात्मक माहौल तैयार किया जा सकता है। ग्रहों की वर्तमान स्थिति मंत्रियों और अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय के संकेत दे रही है, जिससे लंबे समय से लंबित परियोजनाओं को गति मिल सकती है। उनके अनुसार बुध और गुरु की अनुकूल स्थिति सरकार की निर्णय क्षमता को परिपक्व बनाएगी और यह समय राजनीतिक चुनौतियों के बीच सरकार के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। इस दौरान मंत्रिमंडल विस्तार और राजनीतिक समन्वय से जुड़े विषयों पर भी चर्चा संभव है।

मकान का ताला तोड लाखों के जेवरात व नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोड वहां से लाखों रूपये के जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बालावाला निवासी लाखन सिंह नेगी ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गये थे। आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से 50 हजार रूपये नगदी व लाखों रूपये के जेवरात चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

झण्डा मेला देखकर जा रहे श्रद्धालुओं का ट्रेक्टर बस से टकराया, दो की मौत नौ घायल

संवाददाता

देहरादून। झण्डा मेला देखकर जा रहे श्रद्धालुओं की ट्रेक्टर ट्राली बस से टकरायी दो की मौत और नौ लोग घायल हो गये। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती करा कर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसपी देहात जया बलूनी ने बताया कि झण्डा मेला देखकर जा रहे श्रद्धालु लगभग रात्रि पौने दस बजे देहरादून से हरिद्वार आ रही एक रोडवेज बस व उनकी ट्रैक्टर ट्रॉली के थाना रायवाला जनपद देहरादून क्षेत्रान्तर्गत मोतीचूर फ्लाईओवर पर गॉडविन होटल के सामने आपस में टक्कर हो जाने के कारण पीछे से आ रही एक महिंद्रा स्कॉर्पियो

गाड़ी के उक्त रोडवेज बस के पीछे से टकरा जाने तथा महिंद्रा स्कॉर्पियो के पीछे आ रहे एक बड़े लोडेड ट्रक तथा एक महिंद्रा एक्सयूवी के आपस में भिड़ जाने के कारण सभी वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गए। संभवत: महिंद्रा स्कॉर्पियो के सीएनजी सिलेंडर के ब्लास्ट होने के कारण उक्त स्कॉर्पियो वाहन तथा रोडवेज बस में आग लग जाने के कारण उक्त दोनों वाहन जल गए, जिनको फायर ब्रिगेड की गाड़ियों द्वारा बुझाया गया। मौके पर भारी पुलिस बल व दमकल कर्मी मौजूद रहे।

दुर्घटना के कारण फ्लाईओवर पर लगे जाम को खुलवाने का प्रयास किया जा रहा है तथा एक्सीडेंट हुए वाहनों को भी हटाए जाने का प्रयास किया जा रहा है। उक्त घटना में एक महिला की मृत्यु हो चुकी है तथा शेष अन्य घायलों को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय हरिद्वार भिजवाया गया है। घायलों की पहचान गुलशन पुत्री जगदीश निवासी तीती सोता बिजनौर उम्र 11 वर्ष, सुभाष पत्नी रामचरण निवासी नागल सूती बिजनौर,विक्की पत्नी नंदराम भोगपुर नजीबाबाद, आरव पुत्र विकी पता भोगपुर नजीबाबाद उत्तर प्रदेश, लबी पत्नी मदन पता रानी कोटा रायपुर नजीबाबाद,नीतू पत्नी मदन पता रानी कोटा रायपुर नजीबाबाद, सोनिया पुत्री सचिन पता भोगपुर नजीबाबाद उत्तर प्रदेश, अंशिका पुत्री सचिन,दिव्यांशु पुत्र सचिन के रूप में हुई। वहीं मृतकों की पहचान कुसुम पत्नी सचिन पता भोगपुर नजीबाबाद उत्तर प्रदेश, सचिन पुत्र नंदराम पता भोगपुर नजीबाबाद के रूप में हुई।

फिर 'हिंदूत्व' पर भाजपा का 'दांव'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में भी हिंदुत्व के मुद्दे पर राजनीतिक ध्रूवीकरण जिस तेजी से हुआ है, उससे भाजपा सत्ता में पहुंची और उसमें निरंतरता भी आई है। इस कारण पहले वर्ष 2017 और फिर वर्ष 2022 में प्रदेश में भाजपा की सरकारें बनीं। धर्मनगरी में घुसपैठियों पर सख्ती और समान नागरिक संहिता की पहल के साथ जनसांख्यिकीय असंतुलन से निपटने का इरादा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चुनावी शंखनाद के दौरान हर उस विषय को छुआ, जिससे हिंदू मतदाता गहरे प्रभावित होता है।

प्रदेश में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं और भाजपा की हरिद्वार रैली में

●भाजपा तैयार कर रही है हिंदूत्व के आधार पर अपने लिए जमीन तैयार
●केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड में दे दिए हैं इस बात के संकेत
●हिंदुत्व के साथ मतदाताओं को अपने पक्ष में लामबंद की रणनीति तैयार

इसका शंखनाद हो चुका है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह की हरिद्वार में हिंदुत्व की दहाड़ से साफ हो गया है कि भाजपा फिर प्रदेश में हिंदुत्व का कार्ड खेलेगी। क्योंकि जिस हिसाब से विपक्ष हावी है उसे कमजोर करने के लिए नई रणनीति के साथ मैदान में उतरना आवश्यक है। यही कारण है कि भाजपा इस बार भी हिंदुत्व के कार्ड पर चुनावी मैदान में उतरेगी।

बता दें कि वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार जीत पाने के लिए भाजपा को अपने इस आजमाए हुए अस्त्र पर ही भरोसा है। हिंदुत्व के साथ मतदाताओं को लामबंद करने में विकास कार्यों की गति तेज करने, सुशासन और भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस की नीति को दी गईई प्राथमिकता ने खाद-पानी का काम किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की जनसभा के साथ ही यह भी स्पष्ट हो गया कि पार्टी हिंदुत्व की अपनी परंपरागत लीक पर ही मजबूती से कदम बढ़ाती दिखाई देगी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।